

डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुंबई में आयोजित 30वें भारतीय खाद्य वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद सम्मेलन

(आईसीएफओएसटी) में आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई की भागीदारी (19-21 दिसंबर 2024)

आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई ने 19-21 दिसंबर 2024 को डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुंबई में आयोजित 30वें भारतीय खाद्य वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद सम्मेलन (आईसीएफओएसटी) में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस सम्मेलन का नेतृत्व **भा कृ अनु प-के मा शि सं** के निदेशक डॉ. रविशंकर सी.एन. और आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने किया। सम्मेलन का विषय था "खाद्य सुरक्षा, मानक, सुरक्षा और स्थिरता।"

इस कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन ऑफ फूड साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट्स (इंडिया) द्वारा किया गया था और उद्घाटन सत्र में पद्म विभूषण डॉ. एम.एम. शर्मा सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई ने प्रदर्शनी में भाग लिया, जहां कई गणमान्य व्यक्तियों ने स्टॉल का दौरा किया और संस्थान के अनुसंधान और विकास प्रयासों की सराहना की। स्टॉल ने 250 से अधिक आगंतुकों को भी आकर्षित किया, जिनमें से कई ने **भा कृ अनु प-के मा शि सं** के शैक्षिक कार्यक्रमों, प्रशिक्षण पहलों और चल रहे शोध में गहरी रुचि व्यक्त की। आगंतुकों ने प्रदर्शित उत्पादों के बारे में भी पूछताछ की, जिसमें डिब्बाबंद टूना, झींगा अचार और फिशएनयूआरई-मछली अपशिष्ट आदि से विकसित खाद शामिल थी। आगंतुकों की समग्र प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक थी। प्रदर्शनी का **भा कृ अनु प-के मा शि सं**, मुंबई के मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार और सांख्यिकी (एफईईएस) विभाग द्वारा सावधानीपूर्वक समन्वय किया गया। समन्वय टीम में एफईईएस विभाग की प्रमुख डॉ. अर्पिता शर्मा, डॉ. विनोद के. यादव, डॉ. स्वदेश प्रकाश, वाईपीपी चांदनी दवे शामिल थे और शोध विद्वान मणि सेल्वम, दिनेश आर., वाड्रा जगदेव, श्रेया राव, रोहित कुमार श्रीवास्तव, स्वीटी कुमारी, के. मोनिश्री, एम. शिरीषा और अनुबंध कर्मचारियों द्वारा समर्थित, सभी ने प्रदर्शनी के सफल निष्पादन में योगदान दिया। वीडियो रिपोर्ट <https://drive.google.com/file/d/1XwtbD2gfiuRc6QiuoEbDENkz7LJtla4/view?usp=drivesdk> पर उपलब्ध है





